VIDYA BHAWAN BALIKA VIDYA PITH

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय बिहार

class 12 commerce Sub. ECO/ B Date 30.5.2020

Teacher name – Ajay Kumar Sharma

INDIAN ECONOMY 1950–1990

Question 9:

Does modernisation as a planning objective create contradiction in the light of employment generation? Explain.

ANSWER:

No, modernisation as a planning objective does not contradict employment generation. In fact both modernisation and employment generation are positively correlated. While modernisation refers to the use of new and modern technology in production process that may make some people lose their jobs in the initial stages. But gradually, the use of modern technology and input will raise the productivity and, consequently, the income of the people that will further raise the demand for goods and services. In order to fulfill this increased demand, there will be more job opportunities that will lead more people to be hired and, hence, more employment opportunities will be generated. Hence, both modernisation and employment generation are not contradictory but are complementary to each other. नहीं, नियोजन उद्देश्य के रूप में आधुनिकीकरण रोजगार सृजन के विपरीत नहीं है। वास्तव में आधुनिकीकरण और रोजगार सृजन दोनों ही सकारात्मक रूप से सहसंबद्ध हैं। जबकि आधुनिकीकरण उत्पादन प्रक्रिया में नई और आधुनिक तकनीक के उपयोग को संदर्भित करता है जो कुछ लोगों को शुरुआती चरणों में अपनी नौकरी खो सकता है। लेकिन धीरे-धीरे, आधुनिक प्रौद्योगिकी और इनपुट के उपयोग से उत्पादकता बढ़ेगी और, परिणामस्वरूप, लोगों की आय जो वस्तुओं और सेवाओं की मांग को और बढ़ाएगी। इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए, अधिक रोजगार के अवसर होंगे जिससे अधिक लोगों को काम पर रखा जाएगा और इसलिए, अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। इसलिए, आधुनिकीकरण और रोजगार सृजन दोनों विरोधाभासी नहीं हैं बल्कि एक दूसरे के पूरक हैं।

Question 10:

Why was it necessary for a developing country like India to follow self-reliance as a planning objective?

ANSWER:

Self-reliance implies discouraging the imports of those goods that could be produced domestically. Achieving self-reliance is of prime importance for a developing country like, India as otherwise, it would increase the country's dependence on foreign products. Dependence on foreign goods and services can promote economic growth of India but this would not contribute to the development of domestic productive resources. Dependence on foreign goods and services provides impetus to foreign country's industries at the cost of domestic infant industries. Further, imports drain away the scarce foreign reserves that are of prime importance to any developing and underdeveloped economy. Therefore, achieving self-reliance is an important objective for developing countries in order to avoid themselves from being acquiescent to the developed nations.

आत्मनिर्भरता का तात्पर्य उन वस्तुओं के आयात को हतोत्साहित करना है, जिन्हें घरेलू स्तर पर उत्पादित किया जा सकता है। आत्मनिर्भरता प्राप्त करना भारत जैसे विकासशील देश के लिए मुख्य महत्व है, अन्यथा, यह विदेशी उत्पादों पर देश की निर्भरता को बढ़ाएगा। विदेशी वस्तुओं और सेवाओं पर निर्भरता भारत के आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकती है लेकिन इससे घरेलू उत्पादक संसाधनों के विकास में योगदान नहीं होगा। विदेशी वस्तुओं और सेवाओं पर निर्भरता, घरेलू शिशु उद्योगों की लागत पर विदेशी देश के उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान करती है। इसके अलावा, आयात दुर्लभ विदेशी भंडार को दूर करता है जो किसी भी विकासशील और अविकसित अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, विकासशील देशों के लिए स्वयं से बचने के लिए विकासशील देशों के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।